

व्यवसाय शिक्षण व प्रशिक्षण संचालनालयातील मुख्याद्यापक, शासकीय तंत्र माध्यमिक शाळा किंवा प्राचार्य किंवा उपप्राचार्य, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था किंवा सहायक प्रशिक्षणार्थी सल्लागार, गट-ब (तांत्रिक) (राजपत्रित), महाराष्ट्र शिक्षण सेवा या पदावरील अधिकाऱ्यांचे वयाच्या ५०/५५ व्या वर्षानंतर सेवा पुनर्विलोकन करणेबाबत.

महाराष्ट्र शासन
कौशल्य, रोजगार, उद्योजकता व नाविन्यता विभाग
शासन निर्णय: पुनर्वि-२०२२/प्र.क्र.८०/व्यशि-९
मादाम कामा रोड, हुतात्मा राजगुरु चौक,
मंत्रालय, मुंबई-४०००३२.
दिनांक: २९ फेब्रुवारी, २०२४.

- संदर्भ:-**(१) सामान्य प्रशासन विभाग, शासन निर्णय क्र.एलपीएल-२०१७/प्र.क्र.२१/का.पंधरा, दिनांक १० जून, २०१९.
- (२) कौशल्य, रोजगार, उद्योजकता व नाविन्यता विभाग, शासन निर्णय क्र.पुनर्वि-२०२२/प्र.क्र.०१/व्यशि-९, दिनांक ०७ जानेवारी, २०२२.
- (३) संचालक, व्यवसाय शिक्षण व प्रशिक्षण संचालनालय, महाराष्ट्र राज्य, मुंबई यांचे पत्र क्र.०३/आस्था-१/४९/५४ पुनर्विलोकन/२०२२/४०, दिनांक २८ मार्च, २०२२.

प्रस्तावना:

महाराष्ट्र नागरी सेवा (निवृत्तीवेतन) नियम, १९८२ च्या नियम १० (४) व नियम ६५ अनुसार सार्वजनिक हितास्तव अकार्यक्षम व संशयास्पद सचोटीच्या अधिकारी / कर्मचाऱ्यांना वयाच्या ५०/५५ व्या वर्षी अथवा ३० वर्ष अर्हताकारी सेवा यापैकी जे अगोदर घडेल त्यावेळी, त्यांचे सेवा पुनर्विलोकन करून त्यांना शासन सेवेतून मुदतपूर्व सेवानिवृत्त करावे असे शासनाचे धोरण आहे. त्याअनुषंगाने सामान्य प्रशासन विभागाने संदर्भ क्र. (१) येथील दिनांक १० जून, २०१९ रोजीच्या शासन निर्णयान्वये सेवा पुनर्विलोकनासंबंधी कार्यपद्धती व सर्वसाधारण सूचना विहित केल्या आहेत. त्यास अनुसरून व्यवसाय शिक्षण व प्रशिक्षण संचालनालयातील महाराष्ट्र शिक्षण सेवा गट-अ व गट-ब (राजपत्रित) (तांत्रिक/अतांत्रिक) संवर्गातील अधिकारी यांच्या सेवा पुनर्विलोकनाकरिता या विभागाच्या संदर्भ क्र.(२) येथील दिनांक ०७ जानेवारी, २०२२ रोजीच्या शासन निर्णयान्वये सचिव/प्रधान सचिव/अपर मुख्य सचिव, कौशल्य विकास, रोजगार व उद्योजकता विभाग यांच्या अध्यक्षतेखाली विभागीय पुनर्विलोकन समिती गठीत करण्यात आली आहे.

व्यवसाय शिक्षण व प्रशिक्षण संचालनालयातील मुख्याद्यापक, शासकीय तंत्र माध्यमिक शाळा किंवा प्राचार्य किंवा उपप्राचार्य, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था किंवा सहायक प्रशिक्षणार्थी सल्लागार, गट-ब (तांत्रिक) (राजपत्रित), महाराष्ट्र शिक्षण सेवा या संवर्गातील अधिकाऱ्यांच्या वयाच्या ५०/५५ व्या वर्षी अथवा ३० वर्ष अर्हताकारी सेवा यापैकी जे अगोदर घडेल त्यावेळी त्यांचे सेवापुनर्विलोकन करण्यासाठीचा विहित प्रस्ताव संचालक, व्यवसाय शिक्षण व प्रशिक्षण संचालनालय, महाराष्ट्र राज्य, मुंबई यांच्या संदर्भ क्र. (३) येथील पत्रान्वये प्राप्त झाला होता. सदर प्रस्ताव प्रधान सचिव, कौशल्य, रोजगार, उद्योजकता व नाविन्यता विभाग यांच्या अध्यक्षतेखालील विभागीय पुनर्विलोकन समितीस चक्रीय पद्धतीने व सक्षम प्राधिकाऱ्यांच्या मान्यतेस्तव

सादर करण्यात आला. विभागीय पुनर्विलोकन समितीने सदर अधिकाऱ्यांच्या सेवेचे मूल्यमापन करून केलेल्या शिफारशीनुसार ज्या अधिकाऱ्यांच्या वयाच्या ५०/५५ व्या वर्षी अथवा ३० वर्षे अर्हताकारी सेवा यापैकी जे अगोदर घडेल त्यावेळी सेवेत राहण्यासाठी पात्र ठरविले आहे त्यास मान्यता देण्याची बाब शासनाच्या विचाराधीन होती.

शासन निर्णय:-

विभागीय पुनर्विलोकन समितीने केलेल्या शिफारशीस अनुसरून व्यवसाय शिक्षण व प्रशिक्षण संचालनालयातील मुख्याद्यापक, शासकीय तंत्र माध्यमिक शाळा किंवा प्राचार्य किंवा उपप्राचार्य, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था किंवा सहायक प्रशिक्षणार्थी सल्लागार, गट-ब (तांत्रिक) (राजपत्रित), महाराष्ट्र शिक्षण सेवा या संवर्गातील सोबत जोडलेल्या प्रपत्रामध्ये नमूद केलेल्या एकूण १०८ अधिकाऱ्यांची सेवा त्यांच्या वयाच्या ५०/५५ व्या वर्षी अथवा ३० वर्षे अर्हताकारी सेवा यापैकी जे अगोदर घडेल त्यानंतर चालू ठेवण्यास मान्यता देण्यात येत आहे.

२. सोबत, जोडलेल्या प्रपत्रामध्ये नमूद अधिकाऱ्यांची सेवा त्यांच्या वयाच्या ५०/५५ वर्षानंतर किंवा अर्हताकारी सेवेची ३० वर्षे पूर्ण झालेनंतर पुढे चालू ठेवण्यास मान्यता मिळाल्याबाबतची नोंद त्यांच्या सेवापुस्तकात घेण्यात यावी.

३. सदर शासन निर्णय महाराष्ट्र शासनाच्या www.maharashtra.gov.in या संकेतस्थळावर उपलब्ध करण्यात आला असून त्याचा संकेतांक २०२४०२२९१५५९५१०९०३ असा आहे. हा शासन निर्णय डिजीटल स्वाक्षरीने साक्षांकित करून काढण्यात येत आहे.

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नावाने,

(प्रदीप सा. शिवतरे)
कार्यासन अधिकारी, महाराष्ट्र शासन

प्रत,

- १) महालेखापाल (लेखा व अनुज्ञेयता/लेखापरीक्षा), १/२, मुंबई/नागपूर.
- २) निवासी लेखा परीक्षा अधिकारी, मुंबई/नागपूर.
- ३) आयुक्त, कौशल्य विकास, रोजगार व उद्योजकता आयुक्तालय (व्यवसाय शिक्षण व प्रशिक्षण संचालनालय)
- ४) संचालक, व्यवसाय शिक्षण व प्रशिक्षण संचालनालय, महाराष्ट्र राज्य, मुंबई.
- ४) संचालक, महाराष्ट्र राज्य कौशल्य, व्यवसाय शिक्षण व प्रशिक्षण मंडळ, मुलुंड, मुंबई-८१.
- ५) सह संचालक, व्यवसाय शिक्षण व प्रशिक्षण, प्रादेशिक कार्यालय, मुंबई/ पुणे/ नाशिक/ औरंगाबाद/ अमरावती/ नागपूर.
- ६) संबंधित अधिकारी (संचालनालयामार्फत)
- ७) निवडनस्ती (व्यशि-१)

शासन निर्णय: पुनर्वि-२०२२/प्र.क्र. ८०/व्यशि-१, दिनांक २९ फेब्रुवारी, २०२४ सोबतचे प्रपत्र

व्यवसाय शिक्षण व प्रशिक्षण संचालनालयांतर्गत मुख्याद्यापक, शासकीय तंत्र माध्यमिक शाळा किंवा प्राचार्य किंवा उपप्राचार्य, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था किंवा सहायक प्रशिक्षणार्थी सल्लागार, गट-ब (तांत्रिक) (राजपत्रित), महाराष्ट्र शिक्षण सेवा या संवर्गातील वयाच्या ५०/५५ व्या वर्षानंतर किंवा अर्हताकारी सेवेची ३० वर्षे पूर्ण झालेनंतर सेवा पुढे चालू ठेवण्यास पात्र ठरलेल्या अधिकाऱ्यांची यादी:-

| अ.क्र. | अधिकाऱ्यांचे नाव | अ.क्र. | अधिकाऱ्यांचे नाव |
|--------|-----------------------------|--------|----------------------------|
| १ | श्री. एस. सी. राठोड | ३६ | श्री. व्ही. एम. प्रभुणे |
| २ | श्री. एम. एस. चकोर | ३७ | श्री. आर. एम. कुदळे |
| ३ | श्री. आवटे जोहर सय्यद गफूर | ३८ | श्री. एस. व्ही. पाटील |
| ४ | श्री. व्ही. आर. घागरे | ३९ | श्री. संजय प्रल्हाद महल्ले |
| ५ | श्री. डब्ल्यू. व्हे. कोठेकर | ४० | श्री. डी. एच. गुरव |
| ६ | श्री. ए. आर. राजपूत | ४१ | श्रीम. एस. व्ही. खोब्रागडे |
| ७ | श्रीम. ए. डी. गायकवाड | ४२ | श्री. आर.टी. मुळे |
| ८ | श्री. आर. एस. खोजे | ४३ | श्री. ए. एम. चौधरी |
| ९ | श्री. डी. एम. कोठवडे | ४४ | श्री. आर. डी. बागडे |
| १० | श्री. ए. आर. चौधरी | ४५ | श्री. पी. बी. भंडारे |
| ११ | श्री. डी. एम. राठोड | ४६ | श्री. आर. एम. राठोड |
| १२ | श्री. एस. व्ही. मल्लेवार | ४७ | श्री. एस. एम. राठोड |
| १३ | श्री. आर. एस. संख्ये | ४८ | श्री. एस. एल. वानखेडे |
| १४ | श्री. एस. एल. गोसावी | ४९ | श्री. पी. डी. पाटील |
| १५ | श्री. तिमार्थ्या शरद मिसाळ | ५० | श्री. डी. एल. गायधनी |
| १६ | श्री. व्ही. एम. लाकडे | ५१ | श्री. एम. टी. तिघरे |
| १७ | श्री. एम. बी. गायकवाड | ५२ | श्री. पी. टी. पळसकर |
| १८ | श्री. एस. आर. तेलतुमडे | ५३ | श्री. व्ही. डी. राठोड |
| १९ | श्री. एस. बी. गोतपगार | ५४ | श्री. एन. एन. लवटे |
| २० | श्री. यू. के. सूर्यवंशी | ५५ | श्री. पी. ए. चोरे |
| २१ | श्री. विनोद निळकंठ खेवलकर | ५६ | श्री. के. जी. चांदेकर |
| २२ | श्री. आर. ई. शेळके | ५७ | श्री. आर. डी. आवडे |
| २३ | श्री. एच. टी. राजूरकर | ५८ | श्री. एन. एन. आहिरकर |
| २४ | श्री. एस. आर. ठोकरे | ५९ | श्री. एस. एन. परदेशी |
| २५ | श्री. एस. पी. नागरे | ६० | श्री. एस. बी. घोंगडे |
| २६ | श्री. के. एन. एस. शेख | ६१ | श्री. व्ही. आर. पडोळे |
| २७ | श्री. जी. जी. पाटणूरकर | ६२ | श्री. पी. जी. सातपुते |
| २८ | श्री. डी. एच. लोंढे | ६३ | श्री. सुजय दिवाकर रहाटे |
| २९ | श्री. डी. एन. गरदडे | ६४ | श्री. आर. एन. वागद्रे |
| ३० | श्री. डी. एम. पुंड | ६५ | श्री. आर. एस. कहाळे |
| ३१ | श्री. सी. एस. राऊत | ६६ | श्री. ए. बी. देव |
| ३२ | सौ. जे. व्ही. निंबार्ते | ६७ | श्री. एन. एस. किलनाके |
| ३३ | श्री. विलास बाबुराव नालंदे | ६८ | श्री. एम. एस. गुरव |
| ३४ | श्री. व्ही. डी. टिकोले | ६९ | श्री. एस. एम. मांगलेकर |
| ३५ | श्री. वाय. के. कुलकर्णी | ७० | श्री. एस. के. बोरकर |

| अ.क्र. | अधिकाऱ्यांचे नाव | अ.क्र. | अधिकाऱ्यांचे नाव |
|--------|-----------------------------|--------|-----------------------------|
| ७१ | श्री. बी.एन. तुमडाम | ९० | श्री. ए.एस.त्रिचुरकर |
| ७२ | श्री. आर.जे.नेमाडे | ९१ | श्री. व्ही.के.पडवळ |
| ७३ | श्री. आर.बी.वानखेडे | ९२ | श्री. एम.एस.राजपुत |
| ७४ | श्री. आर.यु.राठोड | ९३ | श्री. एम.व्ही.पिल्ले |
| ७५ | श्री. बी.एस.कंदोई | ९४ | श्री. एस.ओ.बनगे |
| ७६ | श्री. ए.एम.बामणे | ९५ | श्री. व्ही.डब्ल्यु.राजूरकर |
| ७७ | श्री. के.डी.फुटाणे | ९६ | श्रीमती.व्ही.आर.पाटील |
| ७८ | श्री. बी.के.कोळेकर | ९७ | श्री. संजय विश्वनाथ गौरशेटे |
| ७९ | श्री. सुभाष ईश्वर भोसले | ९८ | श्री. प्रदिपकुमार झा.पवार |
| ८० | श्रीमती.एम.आर.गुढे | ९९ | श्री. डी.एम.पाटील |
| ८१ | श्री. एम.एम.बीडकर | १०० | श्रीमती.एस.डी.दळवी |
| ८२ | श्री. एस.एस.पाटबागे | १०१ | श्री. के.एन.सोनपिंपरे |
| ८३ | श्रीमती.अ.रा.चवाळे | १०२ | श्री. एस.के.जाधव |
| ८४ | श्री.पदमाकर काशीनाथ सोनावणे | १०३ | श्री. आर.व्ही.पळवेकर |
| ८५ | श्री. ए.एस.सोळंके | १०४ | श्री. ए.बी.लोहार |
| ८६ | श्री. एस.एस.ढेंगळे | १०५ | श्री. जी.एन.काळे |
| ८७ | श्री. एस.जी.गोसावी | १०६ | श्री. रामदास प्र.नाईकनवरे |
| ८८ | श्री. सी.सी.देशपांडे | १०७ | श्री. डी.आर.बोबडे |
| ८९ | श्री. ए.डी.जाधवर | १०८ | श्री. एस.एस.उड्डानशिवे |
